हरिभूमि

नर्मदापुरम भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 6 अक्टूबर 2026

नर्मदापुरम | इटारसी | पिपरिया | पचमढ़ी | सोहागपुर | हरदा | माखननगर | बनखेड़ी

06 बाजार में एक जोड़ी ड्रेस 800 की, पालकों को खर्च करनी पड़ेंगे...



07 सेवा सेतु अभियान शिविर में सांसद व विधायक ने वितरित किए...





गांवों का विकास, किसानों की खुशहाली और हरदा को देश एवं प्रदेश में हर क्षेत्र में नंबर वन बनाना ही कमल पटेल का है संकल्प

जिले के छोटे से गांव रातातलाई में जन्मे कमल पटेल जी ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुडकर राजनीति शुरू की, गांव की बदहाली देखकर कुछ नया करने की ठानी और सीधे विधायक का चुनाव लडकर जीते, प्रदेश के उच्च शिक्षा राज्य मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री के रूप में राजस्व एवं कृषि मंत्री रहते जनता तथा किसानों के हित में कामों से हरदा का नाम देश-प्रदेश में किया है गौरान्वितं

हरदा। प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं हरदा-खिरकिया विधानसभा क्षेत्र की जनता के लाड़ले नेता कमल पटेल जी का राजनीति में प्रवेश करने के पीछे का संकल्प गांवों की दशा में दिशा बदलना रहा। जिले के छोटे से गांव रातातलाई के पटेल (डूडी) परिवार में 6 अक्टूबर 1961 को वरिष्ठ कृषक एवं समाजसेवी हरनाथ डूडी जी एवं पार्वती बाई डूडी जी के बड़े बेटे कमल पटेल जी का नाम आज देश एवं प्रदेश में हरदा जिले की पहचान बना हुआ है। कमल पटेल जी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव की स्कूल में प्राप्त की। इसके बाद वे पांचवीं तक अबगांवकलां स्कूल में पढ़े। इसके बाद हरदा की स्कूल में पढ़ाई की। कॉलेज की पढ़ाई करने परिवार ने उन्हें इंदौर भेजा। परंतु गांव की बदहाल स्थिति को देखकर कमल पटेल जी ने अपने एवं क्षेत्र के गांवों के लिए कुछ नया करना का ठाना। इसलिए राजनीति में प्रवेश का मन बनाया। जबकि परिवार के लोग उन्हें खेलों में बढ़ावा दे रहे थे। लेकिन गांवों की दशा एवं दिशा बदलने की ललक ने उन्हें राजनीति में प्रवेश कराया। हालांकि इंदौर में बीकॉल एवं एलएलबी की पढ़ाई के दौरान उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से छात्र राजनीति की शुरूआत कर दी थीं। किंतु क्षेत्र के लिए कुछ नया करने की ठान ते हुए उन्होंने 1993 में विधानसभा चुनाव हरदा विधानसभा से लड़ा और जनता के आशीर्वाद से जीतकर विधानसभा पहुंचे। कमल पटेल जी ने गांवों को वास्तविक अर्थों में आत्मनिर्भर बनाने की शुरूआत हरदा जिले से की थी। ताकि गांव के ऐसे पढ़े-लिखे बेरोजगार युवा, जिन्हें नौकरी नहीं मिलती और जो केवल खेती पर निर्भर रहते हैं, वे अब अपना व्यवसाय और उद्योग शुरू कर सकेंगे। वे खाद-बीज की दुकान, कृषि दवाईयों की दुकान या अन्य छोटे व्यवसाय खोल सकेंगे। पहले गांव में जमीन का मालिकाना हक नहीं होने के कारण बैंक से ऋण और व्यवसाय के लिए लिमिट मिलना मुश्किल था। अब गांव के लोगों को भी शहर के व्यापारियों की तरह बैंक से वित्तीय सुविधाएं मिल सकती है। कमल पटेल जी का मानाना था कि जब गांव की संपत्ति का मूल्य बढ़ेगा और लोगों को मालिकाना हक मिलेगा, तो गांवों में उद्योग स्थापित होंगे। स्थानीय स्तर पर कच्चा माल उपलब्ध होगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। जो युव नौकरी की तलाश में भटकते थे, वे स्वयं उद्यमी बन सकेंगे। इससे बेरोजगारी कम होगी, पलायन रुकेगा और गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।



मैदा मिल, ऑयल मिल, दाल मिल और कृषि उपकरणों से जुड़े उद्योग गांवों में स्थापित हो सकते हैं। बैंक वित्तपोषण और सरकारी सब्सिडी का लाभ मिलने से ग्रामीण युवा आगे बढ़ सकेंगे। गांव मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा और गांव विकसित होगा तो राष्ट्र विकसित होगा। यह परिवर्तन केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का उदाहरण है। एक किसान का बेटा गांव की इन समस्याओं को बेहतर समझ सकता है। मीडिया से एक इंटरव्यू में कमल पटेल जी ने कहा भी है कि जब मैं राजनीति में आया था, तभी मैंने संकल्प लिया था कि गांवों के लोगों को भी वही आर्थिक अधिकार मिलने चाहिए जो शहरों में रहने वाले लोगों को प्राप्त हैं। मुझे स्वयं शहर में मकान होने के बावजूद यह महसूस हुआ कि गांव के दूसरे किसान क्या करेंगे? इसी सोच के साथ मैंने संकल्प लिया कि सत्ता में आने पर गांव की आबादी भूमि पर मालिकाना हक दिलाने के लिए कानून और व्यवस्था बनवाऊंगा। इसी दिशा में हरदा से पहल की गई, जो आगे चलकर स्वामित्व योजना जैसी बड़ी पहल का आधार बनी।

हरदा को हर क्षेत्र में नंबर वन बनाने का लक्ष्य

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार में हरदा को होशंगाबाद से अलग करके जिला बनाने से दिग्गी राजा ने इंकार कर दिया। परंतु कमल पटेल जी जो संकल्प लेते हैं उसे पूरा भी करते हैं। उन्हों दिग्विजय सिंह की सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। विधानसभा में लगातार मुद्द उठाया एवं हरदा में जनता के सहयोग से आंदोलन भी किए। जिसका नतीजा है कि आज हरदा जिला है। कमल पटेल जी कहते हैं कि हरदा को जिला बनाने के बाद हमारा अगला लक्ष्य था कि हर क्षेत्र में हरदा को नंबर वन बनाया जाए। हमने नारा दिया था हर-हर नर्मदे, नर्मदे हर, जिंदगी भर, खेत-खेत में नर्मदे और गांव-गांव नर्मदे। आज हरदा शहर और खिरकिया में नर्मदा का पानी घर-घर पहुंचाने की दिशा में काम हुआ है। इसके साथ ही हरदा जिले के 458 गांवों के लिए पेयजल योजनाएं स्वीकृत कराने का प्रयास किया गया, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हर घर नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा हो सके। हरदा मंडी को मॉडल मंडी बनाने का प्रयास प्रदेश की सरकार में कृषि मंत्री रहते कमल पटेल जी ने हरदा कृषि उपज मंडी को मॉडल मंडी के रूप में विकसित करने का काम किया। आज मंडी में किसानों और व्यापारियों की सुविधाओं के लिए क ई व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। मंडी में ऑडिटोरियम, कार्यालय, किसानों के लिए वातानुकूलित विश्राम गृह, हम्मालों के लिए कैंटिन, व्यापारियों के लिए शेड और इलेक्ट्रॉनिक कांटों जैसी सुविधाएं विकसित की गईं। इसका उद्देश्य था कि किसानों की उपज सुरक्षित रहे, उन्हें बेहतर सुविधाएं मिलें और मंडी का संचालन व्यवस्थित ढंग से हो।



जिले की बिजली व्यवस्था में सुधार

कमल पटेल जी के विधायक बनने से पहले हरदा, टिमरनी, खिरकिया और सिराली सहित कई क्षेत्रों में बिजली की स्थिति खराब थी। किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिलती थी। कई बार बिजली के तार तो होते थे लेकिन पर्याप्त वोल्टेज नहीं मिलता था। किसान डीजल जनरेटर पर निर्भर रहते थे, जिससे खेती की लागत बढ़ जाती थी।



इस समस्या को दूर करने के लिए कमल पटेल जी ने 132 केवी के बिजली उपकेंद्रों और अन्य विद्युत अधोसंरचना के विकास पर काम किया गया। खिरकिया, छीपाबड़, हरदा, सोडलपुर और टेमागांव सहित विभिन्न स्थानों पर बिजली व्यवस्था मजबूत करने की पहल की गई। इसके अलावा 33/11 केवी के अनेक उपकेंद्र स्थापित किए गए। इससे गांवों और खेतों तक बिजली पहुंचाने तथा किसानों को बेहतर वोल्टेज उपलब्ध कराने में मदद मिली। एक वक्ता के अनुसार, किसानों को खेती के लिए प्रतिदिन लगभग 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया गया। कई गरीब, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवारों को सरकारी प्रावधानों के बावजूद खेतों तक बिजली पहुंचाने में कठिनाई होती थी। बिजली के खंभे और तार नहीं होने के कारण उ न्ह स्थायी कनेक्शन नहीं मिल पाता था और अस्थायी व्यवस्था पर खर्च करना पड़ता था। इस समस्या को दूर करने के लिए कमल पटेल जी ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व फंड से लगभग ढाई करोड़ रुपये की राशि जुटाकर बिजली संबंधी कार्य कराने की पहल की गई। इससे गरीब परिवारों और खेतों तक बिजली की सुविधा पहुंची।

सिंचाई के क्षेत्र में हरदा को आगे बढ़ाने का प्रयास

हरदा जिले को सिंचाई में मध्यप्रदेश में नंबर बनाने की तहलीज पर लाकर प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल ने खड़ा किया है। उन्होंने किसानों के हित में जिले में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए माचक नहर, खेड़ा नहर और अन्य सिंचाई परियोजनाओं पर काम किया गया। रेलवे लाइन के पार तक सिंचाई सुविधाएं पहुंचाने के साथ हंडिया सहित अन्य क्षेत्रों में जल संरचनाओं का विस्तार किया गया। इसके बाद शहीद ईलाप सिंह योजना के माध्यम से लगभग एक लाख एकड़ भूमि को पाइपलाइन से सिंचित करने का लक्ष्य रखा गया। इस योजना में भूमिगत पाइपलाइन का विचार इसलिए अपनाया गया, ताकि नहरों के लिए जमीन खोदने से छोटे किसानों की खेती योग्य भूमि कम न हो। योजना के अनुसार, किसानों को पाइपलाइन और बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकारी सहायता का प्रावधान रखा गया। इससे छोटे और मध्यम किसानों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है। कमल पटेल जी के प्रयासों से ही शहीद दीपसिंह चौहान के नाम से भी एक अन्य योजना लागू हुई। जिसके माध्यम से नहरों के अंतिम छोर यानी टेल एरिया तक पानी पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने की योजना है। वहीं गंजाल-मोरण परियोजना का काम निरंतर जारी है। जिससे किसानों के खेतों तक सिंचाई का भरपूर पानी पहुंचेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव

कमल पटेल जी ने हरदा क्षेत्र के विधायक एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रहते शिक्षा के क्षेत्र में भी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया। जहां कभी गांवों में स्कूलों की इमारतें जर्जर थीं, वहां नई इमारतें बनवाने और शैक्षणिक सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया। जिन क्षेत्रों में केवल प्राथमिक विद्यालय थे, वहां माध्यमिक विद्यालय खोलने; जहां माध्यमिक विद्यालय थे, वहां हाई स्कूल और जहां हाई स्कूल थे, वहां हायर सेकेंडरी स्कूल की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया गया। हरदा विधानसभा क्षेत्र में अबगांवकलां और खिरकिया में दो सीएम राइज (सांदीपनी स्कूल)ी व्यवस्था की गई, जबकि अन्य क्षेत्रों में एक-एक स्कूल भी बच्चों को अच्छी शिक्षा सरकारी स्कूलों में देने के उद्देश्य से खुलवाएं। इन स्कूलों में आसपास के लगभग 20 किलोमीटर के क्षेत्र से बच्चों को बस सुविधा के माध्यम से लाने और निःशुल्क शिक्षा बच्चों को वर्तमान में मिल रही है। इन विद्यालयों में बेहतर शिक्षक, प्रयोगशालाएं और खेल मैदान जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया, ताकि गरीब परिवारों के बच्चे भी डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस और आईपीएस बनने का सपना पूरा कर सकें।

केन्द्रीय विद्यालय, कॉलेज और लॉ कॉलेज

प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल जी ने हरदा जिले में शिक्षा के अवसर बढ़ाने के लिए केन्द्रीय विद्यालय, मॉडल स्कूल, कॉलेज और लॉ कॉलेज जैसी संस्थाओं को क्षेत्र में लाने के सफल प्रयास किए। अबगांवकलां में केंद्रीय विद्यालय, मॉडल स्कूल, कॉलेज और लॉ कॉलेज की सुविधाओं का उल्लेख किया गया। खिरकिया में सरकारी कॉलेज की सौगात कृषि मंत्री रहते कमल पटेल जी ने प्रदान की। जबकि कमलनाथ की कांग्रेस सरकार में उनके उच्च शिक्षा मंत्री जीतू पटवारी ने खिरकिया में कॉलेज की आवश्यकता नहीं है विधानसभा में कमल पटेल जी के सवाल के जवाब में कह कथन कहे थे। किंतु क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की सुविधा देने कमल पटेल जी ने कैबिनेट मंत्री रहते यह सुविधा खिरकिया को प्रदान की और कॉलेज को शुरू कराया। कॉलेज के लिए नए भवन का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इन प्रयासों का उद्देश्य यह है कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर शहरों में न जाना पड़े और उन्हें अपने क्षेत्र में ही बेहतर शैक्षणिक अवसर मिल सकें।

गांवों को मजबूत बनाना, किसानों की आय बढ़ाना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना ही हरदा को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना ही उनका लक्ष्य रहा है।

कमल पटेल जी का संक्षिप्त जीवन परिचय

कमल पटेल जी वर्ष 1993 में पहली बार हरदा विधानसभा क्षेत्र से विधायक का चुनाव जीते। इसके बाद वे 1998, 2003 और 2008 में भी हरदा से विधायक निर्वाचित हुए। फिर 2018 में उन्होंने फिर हरदा विधानसभा सीट से जीत दर्ज की। वर्ष 2005 में कमल पटेल जी मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री बने। फिर बाद में उन्होंने राजस्व, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा पुनर्वास जैसे विभागों की जिम्मेदारी भी संभाली। वर्ष 2020 में शिवराज सिंह चौहान जी की सरकार में उन्हें किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। कमल पटेल जी की राजनीति में कृषि, किसान और हरदा क्षेत्र का विकास प्रमुख केन्द्र बिंदू हैं।

प्रदेश में ऐतिहासिक उपलब्धि - स्वामित्व योजना

कमल पटेल जी के अथक प्रयासों से हरदा जिला देश का पहला जिला बना, जहां प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना क ा शत-प्रतिशत ड्रोन सर्वे पूरा हुआ। इसके तहत जिले के सभी आबाद गांवों में ड्रोन से जमीनों का डिजिटल सर्वेक्षण करवाकर ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक (प्रॉपर्टी कार्ड) दिया गया। इससे ग्रामीण अब अपनी संपत्ति पर बैंक से लोन ले सकते हैं, जमीन के विवाद खत्म हुए और गांवों में विकास कार्यों की प्लानिंग आसान हुई। यह उपलब्धि आज पूरे देश के लिए मॉडल बन गई है, जिसकी सराहना खुद प्रधानमंत्री जी ने की थी। किसी स्वामित्व योजना के तहत पिछले दिनों इंदौर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी ने मालिकाना हक के पट्टों का वितरण हितग्राहियों में कर दिया है।

कमल पटेल जी के जनता दरबार में लोगों की समस्याओं का तत्काल होता है समाधान

कमल पटेल जी की सबसे बड़ी ताकत उनकी लोकप्रियता है। 2023 का चुनाव हारने के बाद भी वे एक दिन भी घर नहीं बैठे। आज भी चाहे बरंगा फार्म हाउस हो या हरदा कार्यालय, जहां भी वे मौजूद रहते हैं, वहां सुबह से ही जनता का समूह उमड़ पड़ता है। वे जनता दरबार लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनते हैं और वहीं से अधिकारियों को फोन लगाकर तुरंत समाधान करवाते हैं। सड़क, बिजली, पानी, राजस्व, पुलिस का कोई भी काम हो, लोग सीधे कमल पटेल जी के पास आते हैं और उनका काम होता है।

महिला स्व-सहायता समूहों को ट्रैक्टर

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कृषि विभाग के माध्यम से कमल पटेल जी ने कृषि मंत्री रहते एक नई पहल की। इसके तहत आदिवासी और अनुसूचित जाति की महिला स्व-सहायता समूहों को ट्रैक्टर उपलब्ध कराने की योजना शुरू की गई। जिले के 17 महिला समूहों को लगभग 80 प्रतिशत सब्सिडी पर ट्रैक्टर दिए गए। समूहों को निर्धारित अंशदान जमा करके ट्रैक्टर और कृषि उपकरण उपलब्ध कराए गए, जिन्हें किराये पर चलाकर महिलाओं ने आमदनी में बढ़ोत्तरी की। कमल पटेल जी का इस पहल के पीछे उद्देश्य महिलाओं को रोजगार देना, उनकी आय बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना था।



विकास कार्य कराना ही है संकल्प

हरदा के विकास को लेकर हमारा प्रयास रहा है कि सडक, बिजली, सिंचाई, पेयजल, शिक्षा, कृषि और रोजगार जैसे क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए। कमल पटेल जी का हमेशा यह मानना रहा है कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले कामों से होता है। जहां सडक नहीं हैं, वहां सडक बननी चाहिए; जहां बिजली नहीं है, वहां बिजली पहुंचनी चाहिए; जहां पानी नहीं है, वहां पेयजल और सिंचाई की व्यवस्था होनी चाहिए; और जहां शिक्षा की सुविधा नहीं है, वहां अच्छे विद्यालय और कॉलेज स्थापित होने चाहिए।



22 पुल और 102 सडकों से बदली क्षेत्र की तस्वीर

कृषि मंत्री रहते हुए कमल पटेल जी ने मुख्यमंत्री के सहयोग से हरदा जिले में 102 सडकों और 22 पुलों के निर्माण की दिशा में काम कराया गया। इन निर्माण कार्यों से जिले के कई गांवों का संपर्क बेहतर हुआ। गांवों को जोड के लिए सडकें और पुल बनने से आवागमन आसान हुआ और किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा मिली। वहीं सडकें बनने से किसानों की जमीनों का मूल्य भी बढ़ा। पहले जिन गांवों तक पहुंचने में कठिनाई होती थी, वहां अब बेहतर सडक संपर्क उपलब्ध हुआ है। एक गांव के एक किसान ने एक कार्यक्रम में खुद कमल पटेल जी को बताया कि सडक नहीं होने के कारण उसकी जमीन का सौदा पहले रद्द हो गया था। बाद में सडक बनने के बाद जमीन का मूल्य काफी बढ़ गया। वक्ता के अनुसार, इससे यह स्पष्ट होता है कि सडक केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि ग्रामीण संपत्ति और अर्थव्यवस्था के विकास का माध्यम भी है। गांवों में सडकें और बायपास बनाने का काम कमल पटेल ने कराया है। उनका हमेशा प्रयास रहा कि जो भी घोषणा की जाए, उसे पूरा करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए।



खबर संक्षेप

टॉयलेट सीट में निकला 5 फीट का विशैला कोबरा

बैतूल। सोनाघाटी में रविवार देर रात एक मकान की टॉयलेट सीट में 5 फीट लंबा विषैला कोबरा फंसा मिला। वह पानी निकासी वाले गैप में इस तरह अटका था कि बाहर नहीं निकल पा रहा था। पड़ोसी ने उसे देखा तो सर्पमित्र को सूचना दी। मौके पर पहुंचे सर्पमित्र ने सावधानी से कोबरा को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना सोनाघाटी निवासी व्यापारी और आर्य समाज अध्यक्ष केके मालवीय के घर के की है। पड़ोसी सोनू रावत की नजर सांप पर पड़ी। उन्होंने सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा को सूचना दी। सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा के मुताबिक, पकड़ा गया सांप पूर्ण वयस्क स्पेक्टेकल्ड कोबरा (नाग) था। उन्होंने बताया कि यह विषैला सांप है और इसके डंसने की स्थिति में तत्काल इलाज जरूरी होता है।

रसोइयों को 4 माह से नहीं मिला मानदेय

बैतूल। जिले के रसोईयों की मांग को लेकर अटल सेना बैतूल की बैठक संपन्न हुई। इस संबंध में संघ के प्रांत अध्यक्ष प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान (केन्डु बाबा) ने बताया कि 8 अक्टूबर, दोपहर 12 बजे शहीद भवन शिवाजी चौक में जिले के रसोईये एकजुट होकर प्रधानमंत्री के नाम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेगे। श्री चौहान ने बताया कि रसोइयों को विगत चार माह से उनका मानदेय नहीं मिला है। खाद्यान्न की राशि समूह को नहीं मिल पाई पेमेंट समय पर मिले शहर में तो समूह व्यवस्था बना लेता है गांव ग्रामीण में जो आदिवासी समूह चला रहे हैं और मध्यान्ह भोजन संचालित कर रहे हैं सबसे बड़ी समस्या उनके सामने है समूह कर्ज में डूबा जा रहा है समय पर मानदेय नहीं मिलने से सांझा चूल्हा में भी कम रेट में रसोईया काम कर रहे हैं। समूह भी कम रेट में बच्चों को नाश्ता और खाना दे रहा है फिर भी 15 दिन में उन्हें मिलने वाला पैसा 2-2 महीने में भी नहीं मिल पा रहा है। श्री चौहान ने सभी रसोईयों से उपस्थित होने की अपील की है।

पांच ब्लॉक में लगा आयुष शिविर

बैतूल। आयुष विभाग द्वारा 5 अक्टूबर को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान विषय पर जिले के पांच ब्लॉक में आयुष शिविर आयोजित किए गए। कलेक्टर के आदेशानुसार जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर योगेश चौकीकर के निर्देशन में आयोजित शिविरों में कुल 793 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर योगेश चौकीकर ने बताया कि शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण, योगाभ्यास, प्राणायाम और ध्यान कराया गया। साथ ही औषधीय पौधों के महत्व, पौधारोपण, स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार की जानकारी दी गई। किशोरी बालिकाओं को महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव बताकर उनसे दूर रहने की समझाइश दी गई। चिचोली के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित शिविर में 178 किशोरी बालिकाओं ने लाभ लिया। आमला के शासकीय महाविद्यालय में 165, प्रभात पट्टन के नवोदय विद्यालय में 168, आठनेर के शासकीय महाविद्यालय में 240 और घोड़ाडोंगरी के शासकीय महाविद्यालय में 42 लाभार्थी शामिल हुए। इस तरह पांचों ब्लॉक में कुल 793 लोगों ने आयुष सेवाओं का लाभ लिया।

आज मेंटनेंस के कारण बंद रहेगी बिजली

बैतूल। बिजली कंपनी द्वारा 6 अक्टूबर को 33/11 केव्ही हमलापुर उपकेन्द्र से निर्गमित 11 केव्ही गंज फीडर का मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-1 के प्रबंधक ने बताया कि मंगलवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक 11 केव्ही गंज फीडर के आबकारी, सिन्धी कॉलोनी, देना बैंक, लोहिया वार्ड, तेल टंकी, लक्की सेंटर, कांति शिवा टॉकीज, सेन्ट्रल बैंक, एसबीआई बैंक, मैकेनिक चौक, अग्रवाल पेट्रोल पम्प, डॉ. मुले गुरुद्वारा रोड, हाथी नाला, डॉ. लश्करे, बीएसएनएल ऑफिस, पुलिस क्वाटर, हाउसिंग बोर्ड, गंज महाराष्ट्र बैंक आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

सरकार दो जोड़ी यूनिफार्म के विद्यार्थियों को देगी 600 रुपए

बाजार में एक जोड़ी ड्रेस 800 की, पालकों को खर्च करनी पड़ेगी अतिरिक्त राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल



वर्तमान शिक्षण सत्र आधा बीतने को है, लेकिन अभी तक सरकारी स्कूलों में पढऩे वाले छात्र- छात्राओं को ड्रेस या राशि नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि अब सरकार बच्चों के खातों में दो जोड़ी ड्रेस के लिए 600 रुपए भेजने की तैयारी कर रही है। राशि कब तक आएगी, इसका अभी पता नहीं है। ऐसे में कुछ बच्चे पुरानी ड्रेस तो कोई रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर स्कूल आ रहे हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति ज्यादातर देखी जा रही है। बता दे कि जिले के सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को सरकार की तरफ से निशुल्क पुस्तकों के साथ-साथ स्कूल ड्रेस भी दी जाती है। लेकिन अब आधा समय बीतने के बाद निर्णय बदला गया है। अब खातों में सीधे राशि ट्रांसफर की जाएगी। हालांकि इस संबंध में अभी तक यह जानकारी जिला शिक्षा केंद्र के पास मौजूद नहीं है। उनका कहना है कि जानकारी पोर्टल पर अपडेट की जा रही है। इधर सवाल यह उठता है कि इस महंगाई के दौर में मात्र 600 रुपए में दो जोड़ी सिली ड्रेस बाजार में मिलना नामुमकिन है। बाजार में दो जोड़ी ड्रेस की सिलाई ही 700 रुपए में हो रही है। इसके अलावा कपड़ा भी कम से कम 600 रुपए में आएगा। सबसे बड़ी बात यह है कि मीडियम क्वालिटी में एक जोड़ी रेडीमेड ड्रेस ही कम से कम 800 रुपए में मिल रही है। अभिभावकों को 800 से 1000 रुपए की अतिरिक्त राशि अपनी जेब से खर्च करनी होगी। पहले सरकार रेडीमेड ड्रेस दे रही थी, किन्तु इस साल फिर नियमों में बदलाव कर बच्चों के खातों में राशि ट्रांसफर की जा रही है।

हर साल ड्रेस वितरण में बदलाव

सरकारी स्कूलों में पढऩे वाले बच्चों को निःशुल्क ड्रेस वितरण की प्रक्रिया में हर साल बदलाव किया जाता है। इस बार प्रक्रिया में पुनः परिवर्तन किया गया है। अब बच्चों को दो ड्रेस का कपड़ा खरीदने 600 रुपए के हिसाब से राशि बैंक खाते में दी जाएगी, जिससे बच्चे स्वयं अपने नाप की ड्रेस खरीद सकें। पहले स्व सहायता समूहों द्वारा सिलाई कर छात्रों के लिए जो ड्रेस दी जाती थीं, उनमें साइज की परेशानी आती थी। अधिकारियों का कहना है कि स्कूल ड्रेस के लिए जो भी जरूरी प्रक्रिया है, पूर्ण की जा रही है। जिसके बाद बच्चों के खातों में राशि आयेगी और कब तक मिलेगी, लेकिन राशि कब तक आयेगी, यह अधिकारी भी नहीं बता पा रहे है। ऐसे में अभिभावकों में ड्रेस को लेकर असमंजस हैं।

8वीं तक के विद्यार्थियों क मिलती है निशुल्क ड्रेस

सरकारी स्कूलों में पढऩे वाले बच्चों को शासन की तरफ से निशुल्क स्कूल ड्रेस प्रदान की जाती है। यह सुविधा सिर्फ सरकारी स्कूल में है। लेकिन सरकारी स्कूलों में ड्रेस को लेकर अभी तक सिर्फ डाटा एकत्रित करने का काम चल रहा है। पालकों ने बताया कि ड्रेस को लेकर शिक्षक भी कुछ नहीं बता पा रहे है। जिसके कारण बच्चों को पुरानी स्कूल ड्रेस या रंग-बिरंगी ड्रेस पहनाकर स्कूल भेज रहे है। कई बच्चों की यूनिफार्म खराब हो गई है। यूनिफार्म खराब होने से बच्चे कलर ड्रेस में स्कूल पहुंच रहे है। यदि बच्चों को स्कूल ड्रेस की राशि जल्द नहीं मिली तो बच्चे इन्हीं ड्रेस पर पूरा साल निकाल देगे।

बच्चों को ड्रेस का इंतजार असमजंस में अभिभावक

स्कूल खुलते ही बच्चों को सबसे ज्यादा नई किताबें और ड्रेस का इंजतार होता है। यही लालच उन्हें स्कूल जाने और पढ़ाई करने के लिए उत्साहित भी करता है। अप्रैल में सत्र शुरू हुआ था, तब बच्चों से बच्चे बिना ड्रेस के स्कूल पहुंच रहे है, लेकिन अब अक्टूबर आ गया, सरकारी स्कूल के बच्चों का इंतजार खत्म ही नहीं हो रहा। इधर अभिभावकों का कहना है कि स्कूल से ड्रेस या ड्रेस के लिए राशि मिलती है। इसलिए उन्होंने ड्रेस नहीं सिलवाई। अगर ड्रेस बनवा भी लेते है और स्कूल से भी ड्रेस ही मिलती है तो बच्चों के पास अतिरिक्त ड्रेस हो जायेगी और पालक भी को नुकसान होगा, इसलिए अभी जैसे तैसे पुरानी ड्रेस और कलर कपड़ों पर ही काम चला रहे है।

बैंक खातों के अपडेशन का काम लगभग पूरा

शिक्षा विभाग के मुताबिक ड्रेस की राशि देने बच्चों के बैंक अकाउंट का पोर्टल पर सत्यापन कर अपडेशन किया जा रहा है। यह कार्य लगभग पूरा हो चुका है। विभाग का कहना है कि एक-दो प्रतिशत बच्चे शेष रह गये है, जिनका सत्यापन कर अपडेशन किया जा रहा है। बता दे कि इस वर्ष भी 1 लाख 18 हजार 614 विद्यार्थियों को गणवेश का वितरण किया जायेगा। लेकिन जिस तरह की स्थिति बनी हुई है, उसे देखकर लगता नहीं कि इस महीने ड्रेस की राशि छात्रों के खातों में डल पाएगी। अभिभावकों का कहना है कि शिक्षण सत्र का आधा सत्र निकल चुका है। अभी तक बच्चों को ड्रेस या राशि नहीं मिली है। राशि कब तक आयेगी, शिक्षक भी नहीं बता पा रहे है।

बाजार में 800 में मिल रही एक जोड़ी ड्रेस

बाजार में रेडीमेड एक जोड़ी ड्रेस 800 रुपए में मिल रही है। स्थिति यह है कि सरकारी स्कूलों में बच्चे रंग-बिरंगी ड्रेस में आने को मजबूर हैं। कई बच्चे ऐसे भी हैं, जो पुरानी ड्रेस को ही ठीक कर पहन रहे हैं। कपड़ा दुकानदार बताते हैं कि मीडियम रेंज के कपड़े में दो जोड़ी रेडीमेड यूनिफॉर्म भी कम से कम 1500-1600 रुपए की आएगी। अच्छी क्वालिटी के कपड़े पर अभिभावकों को 1200 से 1500 रुपए तक खर्च करना पड़ेगा। एक जोड़ी ड्रेस की सिलाई 350 रुपए है। अभिभावकों का कहना है कि महंगाई के दौर में घर चलाना ही मुश्किल हो रहा है। अब यूनिफॉर्म का खर्च भी करना पड़ेगा। आज-कल 600 रुपए में आता ही क्या है। सरकार को यूनिफार्म की राशि बढ़ाना चाहिए। जिले में चालू शिक्षण सत्र में कक्षा 1 से 8वीं तक 1 लाख 18 हजार 614 छात्र-छात्राओं को स्कूल ड्रेस मिलेगी। इन बच्चों के खातों में यूनिफार्म के 600 रुपए ट्रांसफर होंगे।

आदेश नहीं आया है...

हमने निर्देशों के अनुसार स्कूल ड्रेस के लिए बच्चों का सत्यापन कर पोर्टल पर अपडेट कर दिया है। लगभग 1 लाख 18 हजार 614 विद्यार्थी पात्र पाए गए हैं। ड्रेस या राशि के संबंध में अभी कोई आदेश नहीं आया है।
- सुधीर साकेत, डीपीसी, बैतूल

बाड़ेगांव में खेत के पास जुआ खेल रहे 6 आरोपी गिरफ्तार

मुलताई। थाना मुलताई पुलिस ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम बाड़ेगांव में छह आरोपियों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 हजार नकद, 52 ताश के पत्ते और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई एसडीओपी मुलताई श्री एस.के. सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मुलताई निरीक्षक विकास पटेल के नेतृत्व में की गई। दिनांक 4 अक्टूबर 2026 को पुलिस टीम कॉम्बिंग गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बाड़ेगांव में पर्वतराव के खेत के पास कच्ची सडक़ किनारे कुछ लोग ताश के पत्तों से पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम राहगीर गवाहों को साथ लेकर बताए गए स्थान पर पहुंची और घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर जुआ खेल रहे लोगों में हलचल मच गई, लेकिन पुलिस टीम ने मौके से छह व्यक्तियों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में ताश के पत्तों से हार-जीत का खेल खेल रहे थे। पुलिस द्वारा मौके पर तलाशी एवं पूछताछ की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से 52 ताश के पत्ते, ?6,000 नकद तथा मोटोरोला कंपनी का मोबाइल फोन, ब्लू कलर जब्त किया गया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों की पहचान शेख शहजाद, निवासी आजाद वार्ड मुलताई; विकास, निवासी राजीव गांधी वार्ड मुलताई; मलखान, निवासी ग्राम बाड़ेगांव; भरतलाल, निवासी रेलवे स्टेशन रोड, पटेल वार्ड मुलताई; तारेश, निवासी पटेल वार्ड मुलताई तथा दीपक गड़ेकर, निवासी सर्रा, थाना मुलताई के रूप में हुई है।

पर्यावरण संरक्षण का भी दिया संदेश

पिता की स्मृति में तीन स्कूलों को भेंट किए वाटर फिल्टर

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बांटे तुलसी पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल



स्व.शिवरतन आर्य की श्रद्धांजलि सभा में परिवार ने परोपकार और पर्यावरण संरक्षण की अभिनव पहल करते हुए भीमपुर विकासखंड की तीन शासकीय माध्यमिक शालाओं को वाटर फिल्टर भेंट किए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में परिवार की इस पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

शासकीय माध्यमिक शाला डोक्या, रातामाटी और सिमोरी के विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह वाटर फिल्टर शिक्षा संजीवनी अभियान से प्रेरित होकर दिए गए। नंदकिशोर आर्य, सुखदेव आर्य, गोकुल आर्य, धनराज आर्य और राजेश आर्य के पिता स्वर्गीय शिवरतन आर्य को श्रद्धांजलि देने आयोजित कार्यक्रम में आमला विधायक योगेश पंडाग्रे, भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, नगरपालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, केके मालवीय, प्रेमशंकर मालवीय, जिला कलार समाज अध्यक्ष मनोज आर्य, नगर अध्यक्ष तपन मालवीय, विकास मिश्रा, नेमीचंद मालवीय, निर्देश मदरेले और शैलेंद्र बिहारिया ने संबोधित किया। कार्यक्रम में परिवार ने स्व शिवरतन आर्य के व्यक्तित्व और जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई। हमारे बुजुर्ग हमारे वटवृक्ष विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। इस अवसर पर मंच से तुलसी के पौधे भी भेंट किए गए और पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संदेश दिया गया। राजेश आर्य ने कहा कि बाबूजी की स्मृति में बच्चों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। प्रत्येक सामाजिक कार्यक्रम में पौधे भेंट करने की परंपरा भी आगे बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि धरती को हरा-भरा रखा जा सके। उन्होंने कहा कि बाबूजी हमेशा परोपकार के कार्यों में रत रहते थे और अब परिवार उनके बताए परोपकार के मार्ग पर आगे बढ़ेगा।

13 से 14 अक्टूबर तक होगा आयोजन

गरबा महोत्सव को लेकर भौंरा में उत्साह, घर-घर हो रही रिहर्सल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भौंरा

नवरात्रि की आहट के साथ ही नगर में निशुल्क गरबा महोत्सव को लेकर उत्साह चरम पर पहुंचने लगा है। 13 और 14 अक्टूबर को विजय मंगल भवन परिसर में होने वाले गरबा महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। खास बात यह है कि आयोजन को लेकर महिलाएं और बच्चियां अभी से अपने-अपने समूह बनाकर घरों में गरबा डांस की रिहर्सल में जुट गई हैं। शाम होते ही कई घरों में गरबा के गीतों की धुन और तालियों की गूंज सुनाई देने लगी है। अलग-अलग ग्रुप में महिलाएं नए गरबा स्टेप्स सीखने के साथ सामूहिक प्रस्तुतियों की तैयारी कर रही हैं। नगर में पिछले 20 वर्षों से निशुल्क गरबा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी अन्नपूर्णा गरबा महिला मंडल भौंरा एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से दो दिवसीय गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। आयोजन 13 से 14 अक्टूबर तक शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक विजय मंगल भवन भौंरा में होगा। गरबा महोत्सव को लेकर महिलाओं और बच्चियों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। कई समूहों ने अपनी अलग-अलग प्रस्तुतियों की तैयारी शुरू कर दी है।

बीस साल से कायम है गरबा की परंपरा

भौंरा में गरबा महोत्सव अब नवरात्रि उत्सव का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। पिछले दो दशक से लगातार आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में हर वर्ष महिलाओं और बच्चियों की भागीदारी बढ़ रही है। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ महिलाओं और बच्चियों को एक मंच देना तथा पारंपरिक संस्कृति और गरबा की लोक परंपरा को आगे बढ़ाना भी है।

अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील

अन्नपूर्णा गरबा महिला मंडल की अध्यक्ष रश्मि पटवा ने नगर की सभी माताओं, बहनों और बच्चियों से अधिक से अधिक संख्या में गरबा महोत्सव में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि गरबा केवल नृत्य का आयोजन नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, आपसी मेलजोल और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर है। उन्होंने सभी से उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

जंगल के रास्ते महाराष्ट्र तस्करी की कोशिश कत्लखाने ले जाए जा रहे 21 मवेशी मुक्त

2 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल



झल्लार थाना क्षेत्र के ग्राम जमनिया के जंगल मार्ग पर रात करीब 2 बजे 21 गोवंश को रसियों से बांधकर महाराष्ट्र की ओर ले जाने का मामला सामने आया है। राष्ट्रीय हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं और गौ सेवकों की सूचना पर झल्लार पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दो संदिग्धों को पकड़ लिया, जबकि दो अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

गौ सेवक, गौशाला संचालक एवं राष्ट्रीय हिंदू सेना के सदस्य स्वरूप गिरी ने बताया कि ग्राम जमनिया के जंगल क्षेत्र से 21 गोवंश को एक-दूसरे से रस्सियों द्वारा बांधकर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने के बाद संगठन के सदस्यों ने झल्लार पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस के सहयोग से घेराबंदी कर गोवंश को बरामद किया गया। राष्ट्रीय हिंदू सेना के विभाग सह-संयोजक नितेश मस्की के अनुसार, मौके से डोक्या निवासी दीपक पिता गुलाब कास्दे, उम्र 35 वर्ष और मुन्ना पिता श्यामलाल कास्दे, उम्र 45 वर्ष को पकड़ा गया। वहीं डोक्या निवासी किशोर उजाने सहित अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर अन्य संदिग्धों और गोवंश तस्करी में उनकी भूमिका की जांच कर रही है। राष्ट्रीय हिंदू सेना के सदस्य अर्जुन चौहान ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में कथित रूप से यह जानकारी सामने आई कि गोवंश को डोक्या निवासी किशोर उजाने के कहने पर जामझीरी होते हुए महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। संगठन के अनुसार, बरामद गोवंश में 18 नग गोवंश और 3 गाय शामिल हैं। गोवंश को महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाने के आरोपों की भी पुलिस जांच कर रही है। कार्रवाई के दौरान गौ सेवक स्वरूप गिरी के साथ दो संदिग्धों द्वारा हाथापाई किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने बताया कि हाथापाई में स्वरूप गिरी महाराज के शरीर पर चोट के निशान आए हैं। उनका झल्लार स्वास्थ्य केंद्र में एमएलसी परीक्षण भी कराया गया है। दीपक मालवीय ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए गोवंश तस्करी में शामिल सभी आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही गौ सेवक के साथ मारपीट के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

नवनिर्मित स्लूस गेट के रिसाव पर उठे सवाल

बारिश थमने के बाद भी पानी की आवक का सिलसिला जारी, नगरपालिका ने रिसाव से किया इनकार

ताप्ती सरोवर का घटता जलस्तर बढ़ा रहा चिंता, शनि सरोवर के वेस्टवेयर से लगातार बह रही जलधारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलताई

पवित्र नगरी मुलताई में वर्षा ऋतु समाप्त होने के साथ ही ताप्ती एवं शनि सरोवर में जल मार्गों के माध्यम से पानी की आवक लगभग बंद हो गई है। इसके बावजूद शनि सरोवर के वेस्टवेयर से लगातार जलधारा बहने और ताप्ती सरोवर का जलस्तर निरंतर घटने की स्थिति ने नगरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। जल संरक्षण से जुड़े जानकारों का मानना है कि जब दोनों सरोवरों में बाहरी जल आवक बंद हो चुकी है, ऐसे में शनि सरोवर के वेस्टवेयर से लगातार पानी का बहना जांच का विषय है। जानकारों के अनुसार, ताप्ती एवं शनि सरोवर के बीच हाल ही में नगर पालिका द्वारा करीब 17 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित स्लूस गेट से पानी के संभावित रिसाव की आशंका को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि नगरपालिका के अधिकारियों ने नवनिर्मित स्लूस गेट से पानी के रिसाव की संभावना से इनकार किया है। इसके बावजूद ताप्ती सरोवर के जलस्तर में लगातार कमी और शनि सरोवर के वेस्टवेयर से जारी जलधारा को देखते हुए पूरे जल तंत्र की तकनीकी जांच की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

घटते जलस्तर से भविष्य में खड़ा हो सकता है जल संकट

नगरवासियों का कहना है कि आगामी समय में बारिश की संभावना काफी कम है। ऐसे में यदि ताप्ती सरोवर का जलस्तर इसी गति से घटता रहा तो आने वाले समय में इसका असर नगर के जलस्रोतों पर भी पड़ सकता है। इसलिए यह पता लगाया जाना जरूरी है कि शनि सरोवर के वेस्टवेयर से लगातार पानी कहां से आ रहा है और ताप्ती सरोवर का जलस्तर कम होने का वास्तविक कारण क्या है। ताप्ती एवं शनि सरोवर केवल मुलताईवासियों की आस्था के प्रमुख केंद्र ही नहीं, बल्कि नगर क्षेत्र के जलस्रोतों के आधार के रूप में भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। बताया जाता है कि इन दोनों सरोवरों के जलस्तर में कमी आने के साथ ही आसपास के करीब 5 किलोमीटर क्षेत्र में स्थित जलस्रोतों के जलस्तर पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। यही वजह है कि ताप्ती और शनि सरोवर के जलस्तर को लेकर नगरवासियों में विशेष चिंता बनी हुई है।



जलस्रोतों की सुरक्षा के लिए जांच जरूरी

फिलहाल शनि सरोवर के वेस्टवेयर से लगातार बह रही जलधारा और ताप्ती सरोवर के घटते जलस्तर को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए जल प्रवाह की तकनीकी जांच जरूरी मानी जा रही है। यदि पानी का बहाव किसी पुराने गेट अथवा अन्य संरचना से हो रहा है तो समय रहते उसकी मरम्मत कर पानी की अनावश्यक निकासी को रोका जाना आवश्यक होगा। इससे ताप्ती एवं शनि सरोवर के जल संरक्षण के साथ-साथ आसपास के जलस्रोतों को भी सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

नपा ने नवनिर्मित स्लूस गेट से रिसाव से किया इनकार

इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र तिवारी ने बताया कि उन्हें सुबह जानकारी मिली थी कि ताप्ती सरोवर पर नवनिर्मित स्लूस गेट से पानी का रिसाव हो रहा है। सूचना मिलने के बाद तत्काल नगरपालिका की टीम को मौके पर भेजकर जांच कराई गई। उन्होंने बताया कि जांच में स्पष्ट हुआ कि नवनिर्मित स्लूस गेट से पानी का रिसाव नहीं हो रहा है। उनके अनुसार, शनि सरोवर के वेस्टवेयर पर बने पुराने गेट से पानी का रिसाव हो रहा है। नगरपालिका द्वारा इस पुराने स्लूस गेट के निर्माण/मरम्मत के लिए प्रस्ताव तैयार कर कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। सीएमओ ने यह भी कहा कि फिलहाल नगरपालिका इस प्रयास में जुटी है कि पुराने गेट से हो रहे पानी के रिसाव को किस प्रकार रोका जा सके।

हरिभूमि प्रस्तुत अनुभूति फैमिली गरबा सीजन-5 की तैयारियां तेज, नागरिकों को भी आयोजन का बेसब्री से इंतजार

भव्य मंच, प्रदेश की प्रसिद्ध इवेंट मैनेजमेंट टीम संभालेगी आयोजन की कमान, 10 पुरुष और 5 महिला बाउंसर संभालेंगे सुरक्षा की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ इटारसी

हरिभूमि नर्मदापुरम द्वारा आयोजित किए जा रहे हरिभूमि प्रस्तुत ₹अनुभूति₹ एक्सक्लूसिव फैमिली गरबा—सीजन-5 को लेकर तैयारियां जोरो पर चल रही हैं। 14, 15 एवं 16 अक्टूबर को द पार्क क्लब एंड रिजॉर्ट, इटारसी में होने जा रहा यह तीन दिवसीय आयोजन इस वर्ष पहले से अधिक भव्य और व्यवस्थित स्वरूप में नजर आएगा। आयोजन में गरबा, संगीत, आकर्षक लाइटिंग, साउंड, एसएफएक्स, पारिवाहिक सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष फोकस किया गया है।

आयोजन की तकनीकी एवं मंचीय व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी श्री चिंतामणि साउंड एंड लाइट के यशवर्धन चौबे ओर उनकी टीम द्वारा संभाली जाएगी। टीम द्वारा पूरे कार्यक्रम में ट्रस, लाइट, साउंड, एसएफएक्स सहित तकनीकी एवं आयोजन प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाएं देखी जाएंगी। श्री चिंतामणि साउंड एंड लाइट लगातार तीन वर्षों से हरिभूमि फैमिली गरबा से जुड़ा है और इस वर्ष भी आयोजन को भव्य तकनीकी स्वरूप देने की तैयारियां कर रहा है।

अनुभूति फैमिली गरबे का पांचवें वर्ष में और भव्य होगा आयोजन



हरिभूमि एक्सक्लूसिव फैमिली गरबा लगातार पांचवें वर्ष इटारसी में आयोजित किया जा रहा है। पिछले वर्षों में शहरवासियों से मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद इस वर्ष आयोजन को और बेहतर अनुभव देने की दिशा में तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन में बड़ी संख्या में परिवारों, युवाओं और गरबा प्रेमियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन की विशेषता इसका पारिवारिक स्वरूप, बेहतर व्यवस्थाएं और भव्य मंचीय प्रस्तुति रहेगी।

देश-प्रदेश की बड़ी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी संभालेगी प्रबंधन

कार्यक्रम के संपूर्ण इवेंट मैनेजमेंट की जिम्मेदारी आईडल सेलेब्रेशन को दी गई है। देश और प्रदेश में बड़े आयोजनों के प्रबंधन के लिए पहचान रखने वाली आईडल सेलेब्रेशन की टीम के शुभम बनोरिया पूरे कार्यक्रम का प्रबंधन संभालेंगे। मंचीय गतिविधियों से लेकर आयोजन के विभिन्न हिस्सों के समन्वय और व्यवस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने की जिम्मेदारी टीम की रहेगी। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान रखा गया है। जिसके लिए तैयारी की जा रही है।

महिला-पुरुष बाउंसरों की तैनाती से मजबूत होगी सुरक्षा व्यवस्था

आयोजन में आने वाले परिवारों और दर्शकों की सुरक्षा को लेकर भी विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। एनबीजी बाउंसर ग्रुप के अंशुल राय के नेतृत्व में वेन्यू पर सुरक्षा व्यवस्था संभाली जाएगी। इसके लिए 10 पुरुष और 5 महिला बाउंसर तैनात रहेंगे। महिला एवं परिवारों की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए महिला बाउंसरों की विशेष मौजूदगी रहेगी। इसके साथ ही प्रवेश एवं निकास व्यवस्था सहित आयोजन स्थल पर अनुशासन बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

आयोजन से जुड़ना सुखद अनुभव



श्रीमती वंदना ओझा, निर्णायक एवं पार्षद, नपाप

हरिभूमि एक्सक्लूसिव फैमिली गरबा से वर्षों से जुड़ना मेरे लिए हमेशा सुखद और गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। हर वर्ष इस आयोजन की भव्यता और प्रतिभागियों का उत्साह इसे खास बनाता है। सीजन-5 के लिए हरिभूमि परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं। मां जगदंबा की कृपा से यह आयोजन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे।"

प्रतिभाओं को निखरते देखना आनंददायक



श्रीमती हेमा पुरोहित निर्णायक एवं समाजसेविका

"हरिभूमि फैमिली गरबा ने इटारसी में गरबा उत्सव को एक अलग पहचान दी है। इस आयोजन से निरंतर जुड़कर प्रतिभाओं को मंच पर निखरते देखना बेहद आनंददायक रहा है। सीजन-5 के लिए हरिभूमि नर्मदापुरम की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह उत्सव प्रेम, उमंग और उल्लास से भरपूर रहे।"

सांस्कृतिक पहचान बना आयोजन



श्रीमती मीरा राजकुमार यादव, सभापति, खाद्य विभाग, नपाप

हरिभूमि एक्सक्लूसिव फैमिली गरबा इटारसी के सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी अलग पहचान बना चुका है। पांचवें वर्ष में प्रवेश कर रहा यह आयोजन परिवारों को हमारी संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का सुंदर प्रयास है। सीजन-5 के सफल एवं भव्य आयोजन के लिए हरिभूमि परिवार को मेरी शुभकामनाएं।"

बेहद खूबसूरत है प्रस्तुतिकरण



श्रीमती अमृता मनीष ठाकुर, सभापति, राजस्व विभाग, नपाप

"गरबा हमारी संस्कृति, आस्था और सामूहिक उल्लास का पर्व है और हरिभूमि एक्सक्लूसिव फैमिली गरबा इसे बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत करता है। सीजन-5 के इस भव्य आयोजन के लिए हरिभूमि नर्मदापुरम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मां दुर्गा के आशीर्वाद से यह आयोजन सफलता के नए आयाम स्थापित करे।

पांचवें वर्ष यादगार बनेगा आयोजन



श्रीमती गीता देवेंद्र पटेल, सभापति, जल विभाग, नपाप

"इटारसी के परिवारों और युवाओं को एक मंच पर जोड़ने वाला हरिभूमि फैमिली गरबा आज शहर की खास पहचान बन चुका है। पांचवें वर्ष का यह आयोजन और भी भव्य एवं यादगार हो, ऐसी मेरी शुभकामना है। हरिभूमि परिवार एवं आयोजन टीम को सीजन-5 के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।"

शुभांगी अत्रे होंगी विशेष आकर्षण



आयोजन की अंतिम शाम को मनोरंजन का विशेष रंग देखने को मिलेगा। 'भाबीजी घर पर हैं' फेम लोकप्रिय अभिनेत्री शुभांगी अत्रे, जिन्हें दर्शक उनके चर्चित किरदार 'अंगूरी भाभी' के नाम से जानते हैं, 16 अक्टूबर को सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में 'अनुभूति' में शामिल होंगी। उनकी मौजूदगी नवरात्रि की इस खास शाम को यादगार बनाने वाली होगी।

सोहागपुर के नए बस स्टैंड पर किया गया अनुविभाग स्तरीय शिविर का आयोजन

सेवा सेतु अभियान शिविर में सांसद व विधायक ने वितरित किए स्वीकृति पत्र

'सेवा सेतु अभियान- सरकार आपके द्वार' अंतर्गत गत दिवस शहर में शिविर किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

राज्य शासन के 'सेवा सेतु अभियान- सरकार आपके द्वार' अंतर्गत गत दिवस शहर में शिविर किया गया। अनुविभाग स्तरीय शिविर का उद्देश्य शासकीय हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ आमजनों तक पहुंचाना था।

सोहागपुर एसडीएम डॉ. बबीता राठौर, जपं सीईओ श्री राम सोनी एवं नप सीएमओ धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि शिविर में सांसद



दर्शनसिंह चौधरी, विधायक विजयपाल सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने विविध शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। नागरिकों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ने आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता भी उपलब्ध कराई गई। पीएम स्वनिधि योजना, पीएम आवास योजना तथा राजस्व विभाग की नागरिक सेवाओं के संबंध में हितग्राहियों को जानकारी एवं सहायता दी गई। शिविर में पंजीयन काउंटर द्वारा हितग्राहियों का पंजीयन एवं मार्गदर्शन किया गया।

लगे काउंटर

शिविर में राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, आयुष, ग्राम विकास एवं पंचायत, महिला बाल विकास, पीएचई, सहित अन्य विभागों की योजनाओं के सुविधा काउंटर के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य शासकीय योजनाओं से जोड़ने का कार्य भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ-साथ जनता को विभिन्न विभागीय सेवाओं के लिए एक ही स्थान पर सुविधा उपलब्ध कराना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों एवं हितग्राहियों ने सहभागिता कर योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लिया।

महेश पटेल पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई

जिला कांग्रेस अनुशासन समिति ने छह वर्ष के लिए किया निष्कासित

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

पार्टी की गतिविधियों और संगठन के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ लगातार बयानबाजी करने के मामले में जिला कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति ने पिपरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सांडिया निवासी महेश पटेल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। समिति ने उन्हें कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्ष के लिए निष्कासित करने का निर्णय लिया है।

जिला अनुशासन समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र मालवीय ने बताया कि महेश पटेल द्वारा लगातार पार्टी की गतिविधियों एवं संगठन के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ बयान दिए जा रहे थे। उन्हें पूर्व में इस संबंध में समझाइश भी दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों पर ऐसी गतिविधियां जारी रहने के बाद समिति ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई का निर्णय लिया।

प्रदेश पदाधिकारियों को दी गई सूचना

अनुशासन समिति ने संगठन की गरिमा और पार्टी अनुशासन को ध्यान में रखते हुए महेश पटेल को छह वर्ष के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करने का निर्णय लिया। समिति के निर्णय से प्रदेश कांग्रेस के संबंधित पदाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। साथ ही इसकी सूचना जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत 'गुड्डन' पांडे को भी दी गई है।

जिला अनुशासन समिति अध्यक्ष धर्मेंद्र मालवीय ने कहा कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है। पार्टी की मर्यादा और संगठनात्मक अनुशासन के विरुद्ध लगातार की जाने वाली गतिविधियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। समिति द्वारा पार्टी हित एवं संगठन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत किया छात्रावास व अस्पताल में फल वितरण

सोहागपुर। सेवा संकल्प अभियान में गत दिवस मप्र भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ द्वारा सोहागपुर शहर स्थित बालिका छात्रावास एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फल वितरण कार्यक्रम किए गए। प्रकोष्ठ प्रदेश मीडिया प्रभारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर विधायक विजयपाल सिंह ने विशेष रूप से सहभागिता की। इस अवसर पर छात्रावास की बालिकाओं एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचाररत मरीजों को फल वितरित कर विधायक ने सभी से चर्चा की। मीडिया से चर्चा में विधायक विजयपाल सिंह तथा गौरव अग्रवाल ने कहा कि सेवा, संवेदना और सहयोग के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर उनकी खुशियों में सहभागी बनना ही सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य है। इस दौरान समाजसेवी नारायण दास छाबड़िया, धनराज तिवारी, सहित भाजपा नेता निखिलेश चतुर्वेदी माखन नगर, भाजपा मंडल अध्यक्ष अश्विनी सरोज, नन्नू छाबड़िया, मंडल कोषाध्यक्ष सौरभ सोनी, विक्रम चौरसिया, गौरव जैन, यश खंडेलवाल, दीपक यशवंत साहू सुरेंद्र, उदल रघुवंशी व अन्य भाजपाई उपस्थित थे।

सिंगोड़ी में राष्ट्रीय बैलगाड़ी दौड़ का आयोजन धूल के गुबार और तालियों से गूंज उठा मैदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिंगोड़ी (सिंगोडा) के खेल मैदान में राष्ट्रीय बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। ग्रामीण परंपराओं और संस्कृति को जीवित रखने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में आसपास के दर्जनों गाँवों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि, पूर्व विधायक अर्जुनलाल पलिया एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों द्वारा किया गया। दौड़ शुरू होते ही पहियों की गड़गड़ाहट और गोवंश के खुरों से उड़ती धूल ने पूरे माहौल को रोमांचित कर दिया। युवाओं और दर्शकों का उत्साह चरम पर था और पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।



संस्कृति और विरासत से जुड़ा है आयोजनः

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अर्जुनलाल पलिया ने कहा, ₹बैलगाड़ी दौड़ महज मनोरंजन या खेल नहीं है, बल्कि यह हमारी समृद्ध ग्रामीण संस्कृति, परंपराओं और विरासत की पहचान है। आधुनिकता के इस युग में जहाँ गाँव और लोगों की जीवनशैली तेजी से बदल रही है, वहीं इस तरह के आयोजन पुरानी परंपराओं को सहेजने और युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं। प्रतियोगिता के दौरान बैलों की अद्भूत रफ्तार और चाल को देखकर दर्शकों ने जमकर तालियाँ बजाईं। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली टीमों और पशुपालकों को मंच से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

वन डे टेनिस बाल क्रिकेट स्पर्धा में ऊमरखेड़ी टीम बनी विजेता



हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

सोहागपुर के रेलवे ग्राउंड पर दो-दो ओवर का एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट गत शाम संपन्न हुआ। टूर्नामेंट में ऊमरखेड़ी की टीम विजेता बनी। आयोजन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता व नर्मदापुरम कांग्रेस जिला सचिव जलज शर्मा ने बताया कि आयोजन मंडल के संरक्षक डॉ. जोएब अली की उपस्थिति में पुरुस्कार वितरण किया गया। इस दौरान टीआई गिरीश त्रिपाठी, शब्बीर शाह, अंकित ठाकुर आदि उपस्थित थे। प्रतियोगिता में क्षेत्र की प्रायोजित टीमें आईपीएल की तर्ज पर सम्मिलित हुईं। तथा विजेता का खिताब ऊमरखेडी ने जीता। सोहागपुर की टीम उपविजेता रही। अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए गए। सभी अतिथियों ने प्रतिभागी टीमों एवं खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल पर बधाई दी।

सांदीपनि विद्यालय में 'खेलो इंडिया अस्मिता सिटी रग्बी प्रतियोगिता' का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

जिला रग्बी संघ नर्मदापुरम के तत्वावधान में खेलो इंडिया अस्मिता सिटी रग्बी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन स्थानीय सांदीपनि विद्यालय एवं आर.एन.ए. उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों की कुल 20 टीमों के खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता का शुभारंभ अबरार अहमद द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में ममता नागोत्रा, नीलम पचौरी एवं शरद दुबे उपस्थित रहे, जिन्होंने माँ सरस्वती का पूजन-अर्चन कर खेल स्पर्धा की शुरुआत की।इस प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया था, जिसमें अंडर-15 बालिका वर्ग से 8 टीमें,



अंडर-18 बालिका वर्ग से 6 टीमें तथा सीनियर वर्ग से 6 टीमों ने सहभागिता दर्ज की। प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए आयोजकों ने बताया कि बालिका अंडर-15 वर्ग में सचिन स्पोर्ट्स की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं रग्बी पिपरिया द्वितीय स्थान पर रही और सी.सी. कन्या महाविद्यालय की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में रग्बी नर्मदापुरम एवं सोहागपुर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बाजी मारी। कार्यक्रम में विधायक ठाकुरदास नागवंशी तथा नपाध्यक्ष नीना नागपाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ भाजपा जिला महामंत्री ममता नागवंशी, पूर्व जिला सतर्कता एवं निगरानी समिति सदस्य अरविंद राय, माधव दास अग्रवाल, मनोज कुमार आदि शामिल रहे।

गरीब नवाज फाउंडेशन ने आयोजित किया जलसा दिया संदेश



हरिभूमि न्यूज ⏭ माखननगर

गरीब नवाज फाउंडेशन के तत्वावधान में मुस्लिम समाज द्वारा माखन नगर में धार्मिक जलसे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। इस अवसर पर प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) से आए उलेमा आसिफ राजा सैफी साहब, भोपाल से आए वसीम अत्तारी साहब तथा जबलपुर से आए केसर राजा साहब ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

उलेमाओं ने अपने प्रवचनों में समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव, प्रेम और एकता बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने समाज की भलाई के लिए सकारात्मक कार्य करने तथा जरूरतमंदों की मदद करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने हजरत मोहम्मद साहब के बताए रास्ते पर चलने, उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और नेक कार्य करने की सीख दी।

एसटीआर में अंतर-विभागीय संयुक्त कार्यशाला संपन्न

'ऑपरेशन थंडर 2026': वन्यजीव, वानिकी व वनस्पतियों के अवैध व्यापार पर रोक लगाने का इंटरपोल का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

वन्यजीव एवं वानिकी अपराधों सहित वन्यजीव व वनस्पतियों के अवैध व्यापार के विरुद्ध वैश्विक 'ऑपरेशन थंडर 2026' अभियान 14 सितंबर से 14 अक्टूबर 2026 तक जारी है। इसके अंतर्गत रविवार को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व ने कार्यशाला व जागरूकता कार्यक्रम किया।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पिपरिया व पचमढ़ी उप वनमंडल सहित तामिया एवं जुन्नारदेव क्षेत्रों में वन्यजीव अपराधों की रोकथाम और प्रशासनिक समन्वय को सुदृढ़ करने की गई कार्यशाला में सहायक संचालक पचमढ़ी संजीव शर्मा, एसडीओपी पिपरिया मोहित यादव, सहायक संचालक पिपरिया आशीष खोबरागड़े, थाना प्रभारी बनखेड़ी, परिक्षेत्र अधिकारी देनवा बफर, पूर्व पचमढ़ी एवं मटकुली, विद्युत विभाग सहायक उपयंत्री एवं वन अमले ने सहभागिता की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों में बेहतर समन्वय स्थापित, वन्यजीव एवं वानिकी अपराधों की रोकथाम, वन्यजीव के अवैध व्यापार पर नियंत्रण तथा शिकारी समूहों के नेटवर्क को पहचान कानूनी कार्रवाई करना था। कार्यशाला के सफल परिणाम बेहतर संयुक्त कार्रवाई के रूप में जनता के समक्ष आने की संभावना अधिकारियों ने व्यक्त की है।



कार्यशाला के प्रमुख बिंदु

- अंतर-विभागीय समन्वय- वन्यजीव एवं वानिकी अपराधों की रोकथाम हेतु पुलिस, वन, विद्युत और पंचायत विभागों में आपसी सहयोग को प्रभावी बनाना।
- अवैध शिकार व व्यापार की रोकथाम- अवैध शिकार, वन्यजीव उत्पादों के अवैध व्यापार एवं परिवहन पर रोक लगाने तथा साइबर पेट्रोलिंग एवं ऑनलाइन निगरानी को बढ़ावा देना।

सघन जागरूकता अभियान अंतर्गत लगा रक्त जांच शिविर



हरिभूमि न्यूज ⏭ पचमढ़ी

विवेकानंद सदन पचमढ़ी मे स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया है। जिसका सभी लोग स्वास्थ लाभ ले सकते हैं। सघन जागरूकता अभियानः पचमढ़ी छावनी द्वारा 'राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम' के तहत HIV जागरूकता एवं निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छावनी परिषद, साडा कर्मचारी, होटल स्टाफ, जिप्सी चालक और स्थानीय नागरिकों की जांच की गई।छावनी अस्पताल के डॉ. समीर, स्टाफ क्रिस्टीना, प्रमोद बान और नर्मदापुरम से प्रकाश चंद्र यादव के नेतृत्व में आई टीम ने अभियान को सफल बनाया। जिसमें मुफ्त परामर्श एवं जांच की गई। जांच से पूर्व सूचित सहमति और जांच के बाद गोपनीय परामर्श दिया गया। विशेष स्वास्थ्य सेवाएं जैसे शिशुओं में संक्रमण का प्रारंभिक निदान आदि शामिल रहा।

स्वस्थ हरदा, स्वस्थ मध्यप्रदेश का संकल्प

पूर्व मंत्री कमल पटेल के जन्मदिवस पर जिला अस्पताल में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदा



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के रूप में उनके 25 वर्षों की राष्ट्र एवं जनसेवा के अवसर तथा मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जिला चिकित्सालय हरदा में विराट जिला स्तरीय निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जा रहा है।

शिविर में जिलेभर के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं, आधुनिक मशीनों से स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, उपचार एवं आवश्यक दवाइयां निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर के लिए अरविंदो मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल इंदौर की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम हरदा पहुंच चुकी है। अस्पताल की बसों के साथ चिकित्सकीय दल जिला चिकित्सालय में पहुंचा है। विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों का परीक्षण कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच करेंगे। आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के माध्यम से आवश्यक जांच की जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सकों द्वारा उपचार एवं परामर्श दिया जाएगा। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क औषधियां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। पूर्व मंत्री कमल पटेल ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जन्मदिवस को व्यक्तिगत उत्सव तक सीमित रखने के बजाय इसे जनसेवा और समाजहित के कार्यों से जोड़ना इस अवसर की वास्तविक सार्थकता है। इसी उद्देश्य से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है, ताकि जिले के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श और आधुनिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा एक ही स्थान पर निःशुल्क मिल सके। उन्होंने जिले के नागरिकों से स्वयं के साथ अपने परिजनों का भी स्वास्थ्य परीक्षण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से कई बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान की जा सकती है और उनका उचित उपचार संभव होता है। बच्चों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों सहित हर वर्ग के लोगों से शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

खिलता कमल संस्थान और आरपी फाउंडेशन का सहयोग

विराट चिकित्सा शिविर का आयोजन खिलता कमल जनकल्याण सामाजिक सेवा संस्थान के सौजन्य एवं आरपी फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। अरविंदो हॉस्पिटल इंदौर के गुरुजी प्रकाश टाटा, वैद्य एवं नाड़ी विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में शिविर की व्यवस्थाएं की गई हैं। आयोजन का उद्देश्य जिले के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। पूर्व मंत्री पटेल ने कहा कि स्वस्थ हरदा, स्वस्थ मध्यप्रदेश का संकल्प तभी साकार होगा, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि शिविर को केवल चिकित्सा सुविधा के रूप में न देखते हुए इसे स्वास्थ्य जागरूकता के जनअभियान के रूप में लें और अधिक से अधिक लोगों को इसकी जानकारी दें।

यह रहेगी व्यवस्था

शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय, हरदा में किया जाएगा। मरीजों के लिए पंजीयन की प्रक्रिया सुबह 9 बजे से शुरू होगी, जबकि चिकित्सा एवं उपचार की सुविधा सुबह 10 बजे से उपलब्ध रहेगी। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, आधुनिक स्वास्थ्य जांच, रोग परीक्षण, उपचार एवं निःशुल्क औषधि वितरण की सुविधा रहेगी। आयोजन से जुड़े लोगों ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपना और अपने परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं। समय पर जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समय रहते उपचार कराया जा सकता है।

आज होगा अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन

हरदा। पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन इस वर्ष 6 अक्टूबर को मिडिल स्कूल ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। कवि सम्मेलन का यह 21वां वर्ष है। कार्यक्रम रात 9 बजे से शुरू होगा। इसमें देशभर के प्रसिद्ध कवि अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। कमल सांस्कृतिक मंच के संयोजक देवीसिंह सांखला ने बताया कि कवि सम्मेलन को लेकर तैयारियां हो गई हैं। आयोजन में देश के सुप्रसिद्ध टीवी स्टार, संचालक एवं पैरोडीकार डॉ. आदित्य जैन, गीतकार डॉ. राजीव राज, हास्य के जादूगर मुन्ना बैटरी, श्रृंगार रस की कवयित्री अंशु प्रिया दुबे एवं प्रीति पांडे शामिल होंगी। इसके अलावा वीर रस के कवि मोहित सक्सेना, हास्य कवि डॉ. हरीश हिंदुस्तानी, पैरोडी के माध्यम से दर्शकों को गुदगुदाने वाले पार्थ नवीन तथा हास्य की फुलझड़ियां प्रस्तुत करने वाले सौरभ जायसवाल भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। कवि सम्मेलन में हास्य, व्यंग्य, गीत, श्रृंगार और वीर रस की प्रस्तुतियों का रंग देखने को मिलेगा। सांखला ने बताया कि कवि सम्मेलन में हर वर्ष बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं शहरवासी शामिल होते हैं। उन्होंने जिलेवासियों एवं साहित्यप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कवि सम्मेलन का आनंद लेने की अपील की है।

भाजपा ने आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यकर्ता बहनों का सम्मान किया

सेवा सम्मान संकल्प के साथ संपन्न हुआ आंगन मिलन कार्यक्रम, पौधा लगाकर दिया पर्यावरण का संदेश





हरिभूमि न्यूज ⏭ खरगोन

भाजपा पूर्वी मंडल अध्यक्ष अभिलाष अत्रे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की टोली शहर के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर पहुंची। यहाँ उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका बहनों से आत्मीय संवाद किया और उनके सेवा भाव को नमन किया। केवल सम्मान ही नहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए हर आंगनबाड़ी केंद्र में एक-एक पौधा भी लगाया। मौके पर मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज तक कोई भी जनप्रतिनिधि इस तरह सम्मान करने नहीं आया।

भाजपा ने हमारा मान बढ़ाया है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अभिलाष अत्रे ने कहा कि आंगनबाड़ी की बहनें ही समाज की मजबूत आधारशिला हैं।

0 से 6 साल के बच्चों का पोषण, गर्भवती माताओं की देखभाल और बच्चों की पहली शिक्षा की जिम्मेदारी आप ही निभाती हैं। आपके बिना स्वस्थ भारत की कल्पना अधूरी है। इस दौरान नगर पालिका सभापति धीरेंद्र सिंह चौहान, पार्षद दिनेश पाटीदार, गीतांजलि तिवारी, मिनाक्षी माली, दीपक पाटीदार, कान्हा माली, आकाश गुप्ता आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

सरकार आपके द्वार अभियान के तहत नागरिकों को मौके पर मिली विभिन्न शासकीय सेवाओं की सुविधा

महेश्वर नर्मदा भवन परिसर में आयोजित हुआ सेवा सेतु शिविर

खरगोन

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शासकीय सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से महेश्वर के नर्मदा भवन परिसर में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। सरकार आपके द्वार अभियान के तहत आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किए गए। शिविर के दौरान मंच पर उपस्थित अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा पात्र हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र एवं योजनाओं से संबंधित हितलाभ प्रदान किए गए। विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने शिविर में उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की। कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान विभागीय स्टॉल पर उपलब्ध सेवाओं, योजनाओं तथा हितग्राहियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शिविर में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। नागरिकों ने राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, पेंशन, राशन, आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की और आवेदन प्रस्तुत किए। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हितग्राहियों को योजनाओं की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज तथा लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष श्री विक्रम पटेल, पार्षद श्री विक्रम यादव, श्री शैलेंद्र जैन, श्री शेरू अंसारी, स्वप्निल गुप्ता, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री पूर्वा मंडलोई, तहसीलदार कैलाश सस्तिया एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रियंक पंड्या सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष की उपस्थिति में शहर के 21 प्रमुख चौक-चौराहों का नामकरण किया गया

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों को नई पहचान देने की पहल



हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदा

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों को नई पहचान देने की दिशा में नगर पालिका परिषद हरदा द्वारा पहल की गई है। नगर पालिका अध्यक्ष भारती राजू कमेडिया की उपस्थिति में शहर के 21 प्रमुख चौक-चौराहों का नामकरण किया गया।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल भी मौजूद रहे। चौक-चौराहों के नामकरण का उद्देश्य शहर के प्रमुख स्थलों को विशिष्ट पहचान देने के साथ ही महापुरुषों, समाजसेवियों और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों की स्मृतियों को सम्मान देना है। नामकरण के बाद इन स्थानों की पहचान उनके नए नामों से होगी, जिससे शहर के नागरिकों को भी इन स्थलों को पहचानने में सुविधा होगी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती राजू कमेडिया ने कहा कि शहर का विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखना भी जरूरी है। चौक-चौराहों का नामकरण शहर की पहचान को मजबूत करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों को संबंधित व्यक्तित्वों के योगदान से परिचित कराने का माध्यम बनेगा।

पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल ने भी चौक-चौराहों के नामकरण को शहर की पहचान से जुड़ी पहल बताया। उन्होंने कहा कि किसी शहर की पहचान वहां के विकास कार्यों के साथ उसकी संस्कृति, इतिहास और सामाजिक विरासत से भी बनती है। महापुरुषों एवं समाज के लिए योगदान देने वाले व्यक्तित्वों के नाम पर सार्वजनिक स्थलों का नामकरण उनकी स्मृतियों को जीवंत रखने का एक माध्यम है। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, पार्षदगण, एल्डरमैन सहित नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कथा के समापन पर व्यास ने करुणा रस से ओत-प्रोत वाणी में कथा सुनाई

कंस वध और रुक्मणि-कृष्ण विवाह की कथा सुन भावुक हुए श्रद्धालु, चुनरी यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरगोन



पितृ पक्ष के पावन अवसर पर पितरों की आत्मशांति और मोक्ष की कामना को लेकर मंडलेश्वर में चल रही मोक्षदायिनी श्रीमद भागवत कथा के पांचवें दिवस शनिवार को कंस वध और रुक्मणि-कृष्ण विवाह का भव्य प्रसंग सुनाया गया। कथा सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए और भजनों पर जमकर नाचे। कथा के मुख्य मनोरथी पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष संजय गुप्ता व समस्त गुप्ता परिवार हैं। कथा का वाचन कथा व्यास पं. जितेन्द्र बडोले कर रहे हैं। कथा स्थल को फूलों से सजाया गया है। व्यासपीठ के पीछे जय सीताराम, नर्मदे हर और जय श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ हनुमान जी, मां नर्मदा और बालकृष्ण का भव्य बैकड्रॉप लगाया गया है, जो आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पांचवें दिन पं. बडोले ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और गोपियों के बीच संवाद हुआ। राधा जी का भगवान श्रीकृष्ण के साथ मानसिक संबंध और प्रेम के प्रसंग को सुनकर उपस्थित जन भावुक हो गए। उन्होंने गोपी गीत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शास्त्रों में उल्लेख है कि वैदिक विधि से गोपी गीत का पाठ करने से मनुष्य को हृदय संबंधी रोग नहीं होता। व्यास ने करुणा रस से ओत-प्रोत वाणी में कथा सुनाई, जिसे सुनकर कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं।

इसके बाद कंस वध की कथा का विस्तार से वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि अक्रूर के द्वारा श्रीकृष्ण-बलराम को मथुरा बुलाया जाना, धनुष भंग और फिर कंस का वध कर प्रजा को उसके अत्याचारों से मुक्त कराने की लीला का वर्णन सुन श्रद्धालु जय श्रीकृष्ण के जयकारे लगाने लगे। कथा के दूसरे भाग में भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का प्रसंग सुनाया गया। पहले भगवान श्रीकृष्ण द्वारा रुक्मणि के गुणों का वर्णन किया गया और फिर विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया। इस दौरान कथा मंडप में बाल कलाकारों द्वारा राधा-कृष्ण और रुक्मणि की सुंदर और आकर्षक झांकी सजाई गई। पीले और हरे वस्त्रों में सजे बाल कलाकारों की झांकी को सभी श्रद्धालुओं ने खूब सराहा। विवाह प्रसंग के दौरान बड़ी संख्या में मातृशक्ति और समाजजन उपस्थित रहे। पांचवें दिवस कथा के समापन पर गुप्ता परिवार के नेतृत्व में भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। यात्रा कथा स्थल से मां नर्मदा तट तक गई, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां नर्मदा को चुनरी अर्पित की गई और पितरों की मोक्ष कामना की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर चुनरी लेकर शामिल हुईं।

एशियन गेम्स में भारत के स्वर्ण पदक जीतने पर खिलाड़ियों ने मनाया जश्न

मिनी हॉकी स्टेडियम बनेगा, दादा भाई शिवलाल चौहान मैदान में फिर चलेगा हॉकी का जादू: विकास प्रिंस राठौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



एशियन गेम्स 2026 में भारतीय हॉकी टीम द्वारा स्वर्ण पदक जीतने की खुशी में शनिवार को सीहोर के खिलाड़ियों, खेल संघ एवं सीवन पुत्र टीम द्वारा जोरदार जश्न मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद सीहोर के अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने बाल विहार मैदान का नाम 'दादा भाई शिवलाल चौहान मैदान किए जाने पर नगर पालिका अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर ने कहा कि एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। सीहोर की भी खेलों में गौरवशाली परंपरा रही है। हमारा प्रयास रहेगा कि शहर में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और खेल मैदान उपलब्ध हों, ताकि सीहोर से भी ऐसे खिलाड़ी निकलें जो राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर जिले और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने मैदान के विकास की दिशा में मिनी हॉकी स्टेडियम विकसित किए जाने की बात भी कही। खेल प्रमोटर प्रदीप चावड़ा ने कहा कि सीहोर में हमेशा से खेलों का बेहतर माहौल रहा है। यहां से हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, कुश्ती, टेबल टेनिस सहित विभिन्न खेलों में अनेक प्रतिभाएं सामने आई हैं, जिन्होंने प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। कुश्ती के स्वर्ण पदक विजेता राजाराम कसौटिया ने कहा कि बाल विहार मैदान, जिसे अब दादा भाई शिवलाल चौहान मैदान के नाम से जाना जाएगा, ने वर्षों से अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार किया है। आज भी यहां हॉकी सहित विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ी पूरी लगन के साथ अभ्यास कर रहे हैं।

खेल अधिकारी अताउल्ला खान ने बताया कि इस मैदान से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में अब्दुल लतीफ, मोहम्मद दाऊद, राजेंद्र सिंह बंता, कपिल परमार, नितिन शर्मा, विजेंद्र वर्मा, सुयश कन्नौजिया, मोहन पाराशर और मुनीश अंसारी सहित अनेक नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने देश-विदेश में अपने खेल से सीहोर का गौरव बढ़ाया है। फुटबॉल कोच मनोज कन्नौजिया ने कहा कि सीहोर में केवल फुटबॉल ही नहीं, बल्कि सभी खेलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। वहीं हॉकी खिलाड़ी डॉ. अनीस खान ने खिलाड़ियों के लिए बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

पुरानी रंजिश और कब्जे के लगाए आरोप

रोला गांव में जमीनी विवाद में लाठी-डंडों से किया हमला, महिला गंभीर घायल



सीहोर। जिले के रोला गांव में जमीन विवाद को लेकर रविवार को दो पक्षों में मारपीट हुई। हमलावरों ने लाठी-डंडों से अचानक हमला कर दिया, जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।

पीड़ित परिवार के अनुसार, बिजोरी गांव के कुछ ग्रामीणों ने पुरानी रंजिश और जमीन पर कब्जे के इरादे से उन पर हमला किया। परिवार कुछ समझ पाता, इससे पहले ही मारपीट शुरू हो गई। बीच बचाव करने आई महिला को भी गंभीर चोटें आईं।

पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप

परिवार ने पुलिस पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनकी शिकायत पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस की लापरवाही से आरोपियों के हौसले बढ़े और उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया। घायल महिला का इलाज जारी है। इधर, पुलिस का कहना है कि सूचना मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।